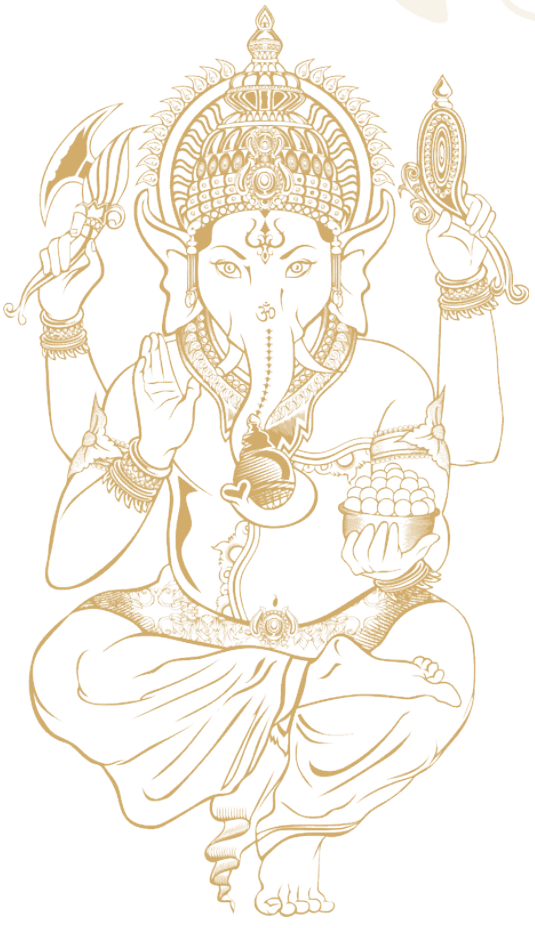

Danvika

29 Jul 2022

03:06 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 119604603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28-29/07/2022**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:06:00 घंटे**
इष्ट	53:30:55 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:35:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:32 घंटे
साम्पातिक काल	23:01:35 घंटे
सूर्योदय	05:41:37 घंटे
सूर्यास्त	19:31:53 घंटे
दिनमान	13:50:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:37:24 कर्क
लग्न के अंश	07:15:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:15:08	328:22:45	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कर्क	11:37:24	00:57:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	13:19:12	12:00:42	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मेष	21:53:11	00:39:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध			कर्क	24:29:05	01:51:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	14:32:54	00:00:01	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	18:56:28	01:12:48	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		मक	28:57:40	00:04:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	25:07:19	00:13:16	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:07:19	00:13:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			मेष	24:27:31	00:01:18	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	01:01:45	00:00:56	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	02:58:35	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	19:58:32	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:09

लग्न-चलित

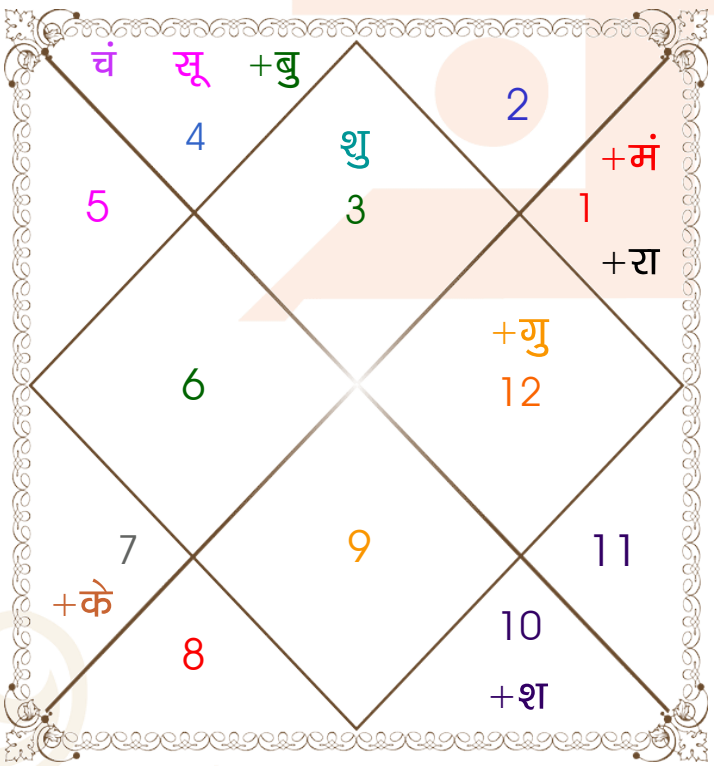

चन्द्र कुंडली

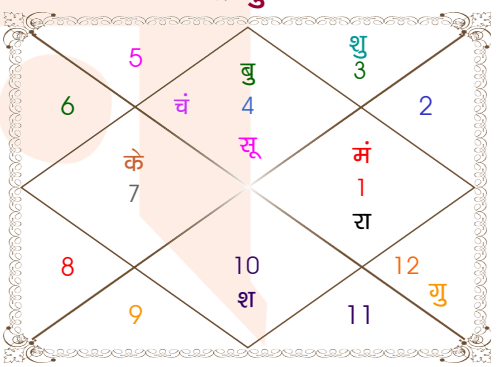

नवमांश कुंडली

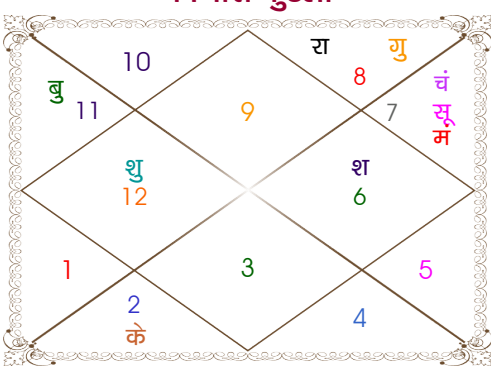

Trikal Jyotish Kendra
Mahavir Enclave
7042079557
saritaram.ram07@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 9 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/07/2022		06/05/2027		05/05/2044		06/05/2051		06/05/2071	
06/05/2027		05/05/2044		06/05/2051		06/05/2071		05/05/2077	
	00/00/0000	बुध	01/10/2029	केतु	01/10/2044	शुक्र	04/09/2054	सूर्य	23/08/2071
	00/00/0000	केतु	28/09/2030	शुक्र	01/12/2045	सूर्य	04/09/2055	चंद्र	22/02/2072
	00/00/0000	शुक्र	29/07/2033	सूर्य	08/04/2046	चंद्र	05/05/2057	मंगल	29/06/2072
	00/00/0000	सूर्य	05/06/2034	चंद्र	07/11/2046	मंगल	05/07/2058	राहु	23/05/2073
	00/00/0000	चंद्र	04/11/2035	मंगल	05/04/2047	राहु	05/07/2061	गुरु	12/03/2074
	00/00/0000	मंगल	31/10/2036	राहु	23/04/2048	गुरु	05/03/2064	शनि	22/02/2075
	29/07/2022	राहु	21/05/2039	गुरु	30/03/2049	शनि	06/05/2067	बुध	29/12/2075
राहु	22/10/2024	गुरु	26/08/2041	शनि	08/05/2050	बुध	05/03/2070	केतु	05/05/2076
गुरु	06/05/2027	शनि	05/05/2044	बुध	06/05/2051	केतु	06/05/2071	शुक्र	05/05/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/05/2077		06/05/2087		05/05/2094		06/05/2112		06/05/2128	
06/05/2087		05/05/2094		06/05/2112		06/05/2128		00/00/0000	
चंद्र	05/03/2078	मंगल	02/10/2087	राहु	15/01/2097	गुरु	24/06/2114	शनि	10/05/2131
मंगल	05/10/2078	राहु	19/10/2088	गुरु	11/06/2099	शनि	04/01/2117	बुध	17/01/2134
राहु	04/04/2080	गुरु	25/09/2089	शनि	18/04/2102	बुध	12/04/2119	केतु	26/02/2135
गुरु	04/08/2081	शनि	04/11/2090	बुध	04/11/2104	केतु	18/03/2120	शुक्र	27/04/2138
शनि	06/03/2083	बुध	01/11/2091	केतु	23/11/2105	शुक्र	17/11/2122	सूर्य	09/04/2139
बुध	04/08/2084	केतु	29/03/2092	शुक्र	23/11/2108	सूर्य	05/09/2123	चंद्र	07/11/2140
केतु	05/03/2085	शुक्र	29/05/2093	सूर्य	17/10/2109	चंद्र	04/01/2125	मंगल	17/12/2141
शुक्र	04/11/2086	सूर्य	04/10/2093	चंद्र	18/04/2111	मंगल	11/12/2125	राहु	30/07/2142
सूर्य	06/05/2087	चंद्र	05/05/2094	मंगल	06/05/2112	राहु	06/05/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।